ISSN 2278-8808 SJIF 2014 = 4.889
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL
FOR INTERDISCIPLINARY STUDIES

प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का उत्तरदेयता–मांग के संदर्भ में अध्ययन

शालिनी त्यागी, Ph. D.

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षक विभाग, मेरठ कॉलिज मेरठ।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत परिवर्तन आया है, जिसके कारण शिक्षा शिक्षार्थी केन्द्रित हो गई है। पाठ्यक्रम की गुणवत्ता आधारित शिक्षा अधिक लोकप्रिय नहीं रह गई है। अब शिक्षा का मुख्य लक्ष्य, जानने की जिज्ञासा जागृत करना, कुछ क्रियाएं, कौशल तथा सहअस्तित्व सीखना है। इस प्रकार शिक्षा का केवल शिक्षाविद् होना ही आवश्यक नहीं है। शिक्षक की योग्यता में असकी कार्यकुशलता के साथ–साथ उसकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता को सम्मिलित किया गया है। यह अनुभव किया जा रहा है कि शिक्षक जितना प्रतिबद्ध होगा उतनी ही उसमें योगयता आयेगी ताकि उसकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। इस प्रकार प्रतिबद्धता, कार्यकुशलता और योग्यता ये तीनों परस्पर सम्बन्धित है, ऐसा शिक्षा विशेषज्ञों का विचार है। एन0सी0टी0ई0 (1998) ने शिक्षक के शिक्ष की गुणवत्ता के लिए उसके दक्षता आधारित तथा प्रतिबद्धता केन्द्रित होने पर बल दिया है। यह अनुभव किया जा रहा है कि अगर शिक्षक में व्यवसायिक योगयता है एवं वह प्रतिबद्ध है तथा उसे शैक्षिक संस्थान और समाज में कार्य करने की शक्ति एवं आज्ञा प्रदान की जाती है तो एक ऐसी श्रंखलाबद्ध प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है जिसके द्वारा अधिक से अधिक विद्यार्थियों के विकास में उच्च कोटि का अधिगम बहुत ही प्रभावशाली ढंग से देखा जा सकता है इस प्रकार शिक्षा के गुणात्मक उन्नयन में शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शिक्षकों की प्रतिबद्धता एक अलग प्रकार की हाती है यद्यपि वह एक व्यावसायिक व्यक्ति होता है किन्तु डाक्टरों एवं वकीलों की भांति वह स्वतन्त्र परिस्थितियों में कार्य नहीं कर सकता अपनी कक्षा में सवामित्व तथा उस पर पूर्ण नियंत्रण होते हुए भी उसे आस–पास के वातावरण एवं सम्पूर्ण समाज पर निर्भर होना पड़ता है। इसलिए उसमें धर्मात्मा की लगन, अभिभावक की चिन्ता एवं एक सुधारक का समर्पण आवश्यक है।

समस्या का उद्भव

शिक्षक प्रतिबद्धता में कमी का एक जागरूक समाज के लिए सदा चिन्ता का विषय रहा है और समय–समय पर अनुसांधानकर्ताओं ने उन कारकों को खोजने का प्रयास किया है जो इसे सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। कुछ लोगों का यह मानना है कि विद्यालय एवं समाज द्वारा शिक्षकों के कार्यो का सतत् मूल्यांकन उन्हें उनके व्यवसाय के प्रति सचेत एवं सावधान बनायें रखने में सहायक हो सकता हैं यह आशा की जाती है कि यदि विद्यालयों में आचार संहिता हो तिाि जिसके अनुपालन अथवा न मानने पर शिक्षकों को उत्तरदायी ठहराया जाए तो शिक्षक अपने कार्य एवं व्यवसाय के प्रति अति सजग रहेंगे। इस प्रकार शिक्षकों को अपने व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्ध बनाये रखने का महत्वपूर्ण कारक उत्तरदेयता मांग हो सकती है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षकों से यह विशेष अपेक्षा की जाती है कि वे व्यावसायकि रू‍प से प्रतिबद्ध रहें क्योंकि यही शिक्षा भावी जीवन की आधारशिला है। यदि शिक्षक इस स्तर पर अपनी भूमिका प्रभावपूर्ण ढंग से निभाता है तो विद्यार्थियों का भावी मार्ग प्रशस्त होता है। अतः आवश्यक है कि उन कारकों को ज्ञात किया जाए जो शिक्षकों को उनके व्यवसाय के प्रति अधिक समर्पित, निष्ठावान एवं प्रतिबद्ध बनाने में सहायक हैं।

शिक्षक प्रतिबद्धता को प्रभावित करने वाले कारकों ने अनुसांधानकर्ताओं का सतत् ध्यान आकृष्ट किया है तथा व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक, शिक्षक प्रभावशीलता, संगठनात्मक स्वास्थ्य आदि अन्य अनेक कारक हैं जिनका सम्बन्ध शिक्षक प्रतिबद्धता से देखा गया है। व्यक्तिगत कारकों में लिंग एवं प्रतिबद्धता के मध्य सार्थक सम्बन्ध स्पष्ट हुआ है। महिलाओं की अपेक्षा पुरुष शिक्षक अधिक प्रतिबद्ध पाये गये हैं। (सेनगुप्ता 1990), सिंह (2002)। व्यक्तिगत विशेषताओं में अत्मविश्वास, योग्यता, वृत्ति संतुष्टि, प्रतिस्पर्धा (पुनिया, 2000) प्रतिबद्धता वृद्धि के कारक सिद्ध हुए हैं। मनोवैज्ञानिक कारकों के अन्तर्गत वृत्ति सुरक्षा और प्रतिबद्धता में सकारात्मक सहसम्बन्ध तथा द्वन्द्व और प्रतिबद्धता में नकारात्मक सहसम्बन्ध (टॉड, 1991) पाया गया है। वातावरणीय कारकों में संगठनात्मक स्वास्थ्य एवं प्रधानाचार्य का नेतृत्व शिक्षक प्रतिबद्धता के महत्वपूर्ण कारक माने गये हैं। (केण्ट, 1997) (मेरी, 2001)। नकारात्मक व्यावसायिक गतिशीलता भी प्रतिबद्धता को प्रभावित करने वाला कारक सिद्ध हुआ है। (माथुर (1981), बिसारिया (1991)।

यद्यपि शिक्षक प्रतिबद्धता का अध्ययन निरन्तर किया गया है, किन्तु उत्तरदेयता–मांग तथा शिक्षक प्रतिबद्धता के साथ कोई भी अध्ययन उपलब्ध नहीं हो सका है। प्रस्तुत अध्ययन इसी कमी को पूरा करने का प्रयास है।

समस्या कथन

इस अध्ययन की समस्या को निम्नवत् प्रस्तुत किया जा सकता हैः "प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का उत्तरदेयता–मांग के संदर्भ में अध्ययन।"

उद्देश्य

1. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करना।
2. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करता।
3. प्राथमिक स्तर के मध्यम तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करना।
4. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करना।
5. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करना।
6. प्राथमिक स्तर के महिला तथा पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर ज्ञात करना।

परिकल्पनाएं

1. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थ अंतर नहीं है।
3. प्राथमिक स्तर के मध्यम तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में काई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. प्राथमिक स्तर के महिला तथा पुरुष शिक्षकों को व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन की परिसीमन

1. प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र मेरठ नगर तक सीमित है।
2. इस अध्ययन में मिशनरी विद्यालय तथा अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यालयों को सम्मिलित नहीं किया गया है।
3. इस अध्ययन में स्वतनिर्मित उत्तरदेयता–मांग के उपकरण का प्रयोग किया गया है।
4. इस अध्ययन में साधारण सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है तथा बहुचरक सांख्यिकी का प्रयोग नहीं किया गया है।

अनुसंधान का प्रारूप

प्रस्तुत अध्ययन में घटनोत्तर अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श में मेरठ नगर के सरकारी, अनुदान प्राप्त तथा निजी (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों के 150 शिक्षकों का चयन किया गया है।

तालिका–1 न्यादर्श का विवरण

क्र0 सं0	विद्यायलय का प्रकार	विद्यालय की संख्या	शिक्षकों की संख्या		योग
			महिला शिक्षक	पुरूष शिक्षक	
1.	सरकारी विद्यालय	10	26	4	30
2.	अनुदान प्राप्त विद्यालय	12	48	12	60
3.	निजी (मान्यता प्राप्त) विद्यालय	12	59	1	60
योग		**34**	**133**	**17**	**150**

विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि तथा शिक्षकों का चयन गुच्छ विधि द्वारा किया गया है।

उपकरण

इस अध्ययन में शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता मापने के लिए स्मार्ट (2000) द्वारा निर्मितत व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी का प्रयोग किया गया है। यह पांच अंकों की निर्धारण मापनी है जिसका प्रसार पूर्णतया असहामत से पूर्णतया सहमत तक है। इस मापनी में व्यावसायकि प्रतिबद्धता के छः आयामों–शिक्षण व्यवसाय की आन्तरिक स्वीकृति, शिक्षण के प्रति उत्तरदायितव, वास्तविक देखभाल, सर्वोत्तम करने की दच्छा, आधारभूत मूल्यों में निष्ठा एवं उत्तरदेयता, के अन्तर्गत पदों की रचना की गई। मापनी में कुल 36 पद हैं, जिन्हें एकांश विश्लेषण द्वारा प्राप्त किया गया हैं। समवर्ती वैधता तथा विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित बाहय कसौटी से भी मापनी की वेधता देखी गयी, जो 0.79 प्राप्त हुई हैं। विभक्तार्द्ध विधि द्वारा मापनी का विश्वसनीयता गुणांक 0.85 प्राप्त हुआ है। यह मापनी की उच्च विश्वसनीयता को दर्शाता है।

इस अध्ययन में स्वनिर्मित उत्तरदेयता–मांग मापनी का प्रयोग किया गया है। इस मापनी में उत्तरदेयता–मांग के अग्रांकित आयामों–विद्यायल में रूकने की अवधि, कार्यभार सम्बन्धी दायित्व, दत्त

कार्य सम्बन्धी दायित्व, दत्त कार्य का संशोधन, निदानात्मक एवं उपचारात्मक कार्य, निर्धारित पाठ्यक्रम की समाप्ति, परीक्षा एवं उत्तर पुस्तिाकाओं का मूल्यांकन, के अन्तर्गत एकांशों की रचना की गई हैं। यह पांच अंकों की निर्धारण मापनी है जिसमें सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रकार के 28 एकांश है। एकांशों की प्रासंगिकता को मेरठ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों एवं सर्वसम्मति के आधार पर अन्तिम रूप दिया गया है।

सांख्यिकीय तकनीक

प्रदत्तों का तुलनात्मक विश्लेषण करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण (क्रान्तिक अनुपात) की गणना की गई है।

परिणामों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्ययन के परिणामों को तालिका–2 से तालिका–7 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका–2 प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	उच्च उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	38	147.70	13.77		
2	निम्न उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	5	141.93	11.28	1.96	P>0.05

तालिका–2 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 147.70 तथा 141.93 और मानक विचलन क्रमशः 13.77 तथा 11.28 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी मूल्य 1.96 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में काई सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षक, उच्च उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों के समान ही व्यावसायिक रूप से प्रतिबद्ध है।

तालिका–3 प्राथमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	उच्च उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	38	147.70	13.77		
2	मध्यम उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	77	145.26	14.68	0.87	P>0.05

तालिका–3 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च तथा मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 147.70 तथा 145.26 और मानक विचलन, क्रमशः 13.77

तथा 14.68 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी मूल्य 0.87 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है, तथा यह कहा जा सकता है कि मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षा, उच्च उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों के समान ही व्यावसायिक रूप से प्रतिबद्ध हैं।

तालिका–4 प्राथमिक स्तर के मध्यम तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिखकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	मध्यम उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	77	145.26	14.68	1.31	P>0.05
2	निम्न उत्तरदेयता मांग वाले शिक्षक	35	141.93	11.28		

तालिका–4 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि मध्यम तथा निम्न उत्तदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 145.26. तथा 141.93 और मानक विचलन क्रमशः 14.68 तथा 11.28 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिब0ता के अन्तर का टी मूल्य 1.31 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के मध्यम तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में काई सार्थ अन्तर नहीं है, स्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षक, मध्यम उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों के समान ही व्यवसायिक रूप से प्रतिबद्ध हैं।

तालिका–5 प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	उच्च उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष	7	135.29	10.28	0.29	P>0.05
2	निम्न उत्तरदेयता मांग वाले पुरूष शिक्षक	10	133.50	14.45		

तालिका–5 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 10.28 तथा 14.45 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अन्तर का टी मूल्य 0.29 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अतः यह शून्य परिकल्पना कि प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में काई सार्थक अन्तर नहीं हैं, स्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि उच्च उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षक, निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षको के समान ही व्यावसायिक रूप से प्रतिबद्ध हैं।

तालिका–6 प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	उच्च उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षकाएं	67	144.79	9.92	2.27	P>0.05
2	निम्न उत्तरदेयता मांग वाली महिला शिक्षकाएं	66	135.10	13.58		

तालिका–6 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 144.79 तथा 135.10 और मानक विचलन क्रमशः 9.92 तथा 13.58 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के अनतर का टी मूल्य 2.27 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक हैं। अतः यह शून्य परिकल्पना कि 'प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं', अस्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि उच्च उत्तरदेयता मांग वाली महिला शिक्षिकाओं और निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है। यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि उच्च उत्तदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है। यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि उच्च उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकायें निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं।

तालिका–7 प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक तथा महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अन्तर की सार्थकता

क्रम सं0	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
1	पुरूष शिक्षक	17	134.17	13.05	2.13	P>0.05
2	महिला शिक्षक	133	139.29	12.74		

तालिका–7 के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि पुरूष तथा महिला शिक्षकों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता के मध्यमान क्रमशः 134.17 एवं 139.29 और मानक विचलन क्रमशः 13.05 एवं 12.74 है। इन दोनों समूहों के व्यावसायिक प्रतिब0ता के अन्तर का टी मूल्य 2.13 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक हैं। अतः यह शून्य परिकल्पना कि प्राथमिक स्तर के पुरूष शिक्षक एवं महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं, अस्वीकृत की जाती है, तथा यह कहा जा सकता है कि पुरूष शिक्षक और महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है', अस्वीकृत की जाती है, तथा यह कहा जा सकता है कि पुरूष शिक्षक और महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है। महिला शिक्षिकाएं, पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं।

परिणामों से स्पष्ट है कि व्यावसायिक प्रतिबद्धता में उत्तरदेयता–मांग सम्बन्धी अन्तर बहुत कम देखने को मिले हैं। विविध उत्तरदेयता–मांग स्तरों पर सम्पूर्ण शिक्षक समूहों (पुरूष, महिला, सम्मिलित

समूह) में कोई अन्तर नहीं है, किन्तु महिला शिक्षिकाओं में उत्तरदेयता–मांग का स्पष्ञ अंतर दिखाई दे रहा है। विविध उत्तरदेयता स्तर–उच्च तथा निम्न, उच्च तथा मध्यम एवं उच्च तथा निम्न स्तरों पर प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में कोई अन्तर न होने का कारण सम्भवतः उनका उत्तरदेयता–मांग के दबाव को समान अनुभव किया जाना है।

उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की समान व्यावसायिक प्रतिबद्धता का कारण सम्भवतः पुरूष शिक्षकों का महिलाओं की अपेक्षा कम संवेदनशील होना है। प्रायः पुरूष का बाह्य वातावरण से अधिक सम्पर्क होने के कारण वातावरण की अनेक मांगों पर वे समान रूप से ध्यान नहीं देते और न ही उनसे समान रूप से प्रभावित होते हैं। सम्भवतः इस कारण उच्च एवं निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षक व्यावसायिक रूप से समान प्रतिबद्ध है।

किन्तु इसके विपरीत शिक्षिकाओं में उत्तरदेयता–मांग को गम्भीरता से अनुभव किया है। उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली शिक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अंतर देखने को मिला है। उच्च उत्तरदेयता–मांग की जाने वाली शिक्षिकायें कम मांग की जाने वाली शिक्षिकाओं की प्रतिबद्धता में अंतर का करण सम्भवतः महिलाओं का अधिक संवेदनशील प्रकृति का होना है। जब वे अनुभव करती हैं कि उनेसे उत्तरदेयता–मांग की जा रही है, उनके कार्यों का मूल्यांकन विद्यालय प्रबन्धक अथवा प्रधानाचार्य द्वारा किया जा रहा है, तो वे अपने दायित्वों के प्रति विशेष सतर्क हो जाती हैं। अपने मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा को बनाये रखने के लिए अपने कार्यों के प्रति उन शिक्षिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रतिबद्ध हो जाती है जिनसे ऐसी मांग अपेक्षाकृत कम की जा रही है।

महिला शिक्षिकाएं पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध हैं। महिला शिक्षिकाओं में अधिक व्यावसायिक प्रतिबद्धता का करण सम्भवतः विद्यार्थियों के प्रति उनके प्रेम, देखभाल तथा मनोवैज्ञानिक लगाव की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, जिससे वे विद्यार्थियों की देखभाल करके अपने कार्य के प्रति स्वयं अभिप्रेरित होती है तथा अपना कार्य, पुरुषों की अपेक्षा अधिक संलग्नता एवं निष्ठा से करती हैं। पुनः महिलाओं की दृष्टि से शिक्षण व्यवसाय समाजिक रू‍प से प्रतिष्ठित तथा अधिक सुरक्षित व्यवसाय भी है। अतः सामाजिक सम्मान प्राप्ति की इच्छा तथा सुरक्षा की भावना के कारण वे शिक्षण व्यवसाय को अपनाती हैं, तथा उसमें निरन्तर बने रहना चाहती हैं। इसी कारण महिला शिक्षिकाएं हृदय से शिक्षक कार्य के दायित्वों को स्वीकार करती हैं और उपने सम्पूर्ण समय और शक्ति को कार्य के प्रति समर्पित कर देती हैं जो उन्हें पुरुषों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध बनाता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि–

- उत्तरदेयता–मांग के विविध स्तरों यथा–उच्च एवं निम्न, उच्च एवं मध्यम तथा मध्यम एवं निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अंतर नहीं है।
- प्राथमिक स्तर के उच्च तथा निम्न उत्तरदेयता–मांग वाले पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में अंतर नहीं है, किन्तु उच्च उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकायें निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध है।
- प्राथमिक स्तर की महिला शिक्षिकायें, पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिब0 हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

1. प्राप्त परिणामों से ज्ञात होता है कि प्राथमिक स्तर की उच्च उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकायें निम्न उत्तरदेयता–मांग वाली महिला शिक्षिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रतिबद्ध है। अतः यह आवश्यक है कि प्रबन्ध तन्त्र एवं प्रशासन उनसे सतत् उत्तरदेयता की मांग करें जिससे वे अपने व्यवसाय के प्रति तत्पर एवं संलग्न रहें।
2. अध्ययन के परिणामों से यह भी स्पष्ट है कि प्राथमिक स्तर की महिला शिक्षिकायें, पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा व्यावसायिक रू‍प से अधिक प्रतिबद्ध है। अतः यह आवश्यक है कि पुरूष शिक्षकों को भी महिला शिक्षिकाओं के समान व्यावसायिक रूप से प्रतिब0 बनाया जाय। आकर्षक कार्य दर्शायें एवं वृत्ति संतुष्टि प्रदान करके उनकी व्यावसायिक संलग्नता एवं निष्ठा में वृद्धि की जाये।

सुझाव

- महिला शिक्षिकाओं के उस वर्ग को जिनमें उत्तरदेयता–मांग अपेक्षाकृत कम है और वे व्यावसायिक रूप से प्रतिब0 नहीं हैं यह आवश्यक है कि विद्ययालय प्रबन्धतन्त्र एवं प्रधानाचार्य उन्हें उनके कार्य के प्रति उत्तरदायी ठहरायें तथा इसमें असावधानी होने पर उन्हें दंडित करें। इसके लिये विद्यालय में कुछ मानक या आचार संहिता बनायी जानी चाहिए और समान रूप से सभी शिक्षकों को उसके पालन पर बल दिया जाय।
- सरकार एवं विद्यालय प्रबन्ध तन्त्र द्वारा पुरूष शिक्षकों को व्यावसायिक रूप से अधिक प्रतिबद्ध बनाने के लिये उन्हें उचित वेतन, बेहतर कार्य दशायें तथा वृत्ति सुरक्षा प्रदान करें, जिससे उन्हें शिक्षण कार्य में वृत्ति संतुष्टि प्राप्त हो सकें और वे व्यवसाय के प्रति अधिक प्रतिबद्ध बन सकें।

सारांश

अध्ययन में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता और जवाबदेही मी मांग के बीच सम्बन्धों का पता लगाया गया है। अध्ययन के सैंपल में 150 प्राथमिक विद्यालय मेरठ के शिक्षक शामिल है। जिनका चयन कलस्टर नमूनाकरण विधि द्वारा किया गया था, पेशेवर प्रतिबद्धता द्वारा डाटा एकत्र किया गया था यह स्मार्ट (2000) का पैमाना है, अन्वेषक द्वारा गणना की मांग का पैमाना तैयार किया गया है डाटा का विश्लेषण टी–टेस्ट द्वारा किया गया था।

निष्कर्षो से पता चला है कि उच्च और निम्न उच्च और मध्यम और निम्न जवाबदेही मांग के संबंध में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों में वयवसायिक प्रतिबद्धता समूहों में काई महत्वपूर्ण अन्तर मौजूद नहीं है। पुरूष शिक्षक की मांग के सम्बन्ध में अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण रूप से निम्न नहीं थे। महिला शिक्षक हालांकि जवाबदेही की मांग के सम्बन्ध में अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता में काफी भिन्न हैं।

REFERENCES

Bisaria, S. (1991). Mobility Patterns and Professional commitment of Higher Secondary Teachers: A Pilot Study, In Buch, M.B. (Ed.) (1997). Fifth Survey of Research in Education, New Delhi: N.C.E.R.T., 1439.

Kent, W.L. (1997). The Relationship of School Organization Health and Teacher Commitment to student Achievement in Selected West Virginia Elementary School. dissertation Abstract International, 58, (3), 691 A.

Marry, L.J. (2001). Effects of Principal Delivered Positive Feedback on Teacher Trust Commitment Desire for Collaboration and Efficiency. Dissertation Abstract International, 62, (2), 400 A.

Mathur, V.R. (1981). Mobility Patterns and Professional Commitment of Higher Secondary School Women Teachers of Delhi. In Buch, M.B. (Ed.) (1986). Third Survey of Research in Education, New Delhi: N.C.R.E.T., 821.

KHosla, D.N. (Ed.) National Council for Teacher Education : NCTE Document 98/36 (1998). New Delhi: NCTE.

Punia, B.K. (2000). Commitment among Univesity Teacher's: A Comparative Analysis. In University News, 38, (15), 7-10.

Sengupta, P. (1990). Professionalization of Teachers's : A Case Study of Men and Women Teacher of Calcutta University. In Buch, M.B. (Ed.) (1997). Fifth Suryvey of Research in Education, New Delhi: N.C.R.T, 1480.

Singh, P. (2000). college Teacher's Efftiveness, Teachers Aspiration, Job Satisfaction and Commitment to Teaching. Ph.D (Edu.), Lucknow University.

Todd, R. (1991). A Study of Conflict, Attributed Conflict Resolution, Teachers Activity and commitment in Senior High School. Dissertation Abstracts International, 51, (9), 2934 A.